पढ़िए और समझिए-

ऋषभ आया, मृग लाया। अमृता मृग पकड़। मृग छिप गया। वह तृण खा रहा था। तभी ऋषि आया। ऋषि का नाम कृपाचार्य था। उनका हृदय दयालु था। कृति उठ। कृपाण ला। घृणा मत कर। नृप आ गया। मातृ-पितृ का कहना मान। मृदुभाषी व कृतज्ञ बन। वृषभ की आकृति बना।

करके सीखो

1. चित्रों को पहचानकर शब्दो को पूरा कीजिए-

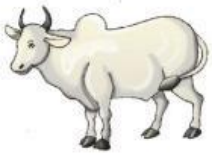

___षक	___ग	___क्ष	___षभ

2. वर्णों में 'ऋ' की मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए-

न + ृ + प = ____________ क + ृ + पा + ल = ____________

म + ृ + त = ____________ आ + क + ृ + ति = ____________

त + ृ + ण = ____________ क + ृ + पा + ण = ____________

LIVEWORKSHEETS